

**मृत्यु से जीवन
तक मसीह के
क्रूस के माध्यम से**

Joe McKinney
From Death to Life

मृत्यु से जीवन तक मसीह के क्रूस के माध्यम से

"क्योंकि परमेश्वर ने जगत से ऐसा प्रेम रखा कि उस ने अपना एकलौता पुत्र दे दिया, कि जो कोई उस पर विश्वास करे, वह नाश न हो, परन्तु अनन्त जीवन पाए। जॉन 3:6

ईश्वर कौन है?

इन रीडिंग में आप हमें जीवन देने वाले परमेश्वर के बारे में जानेंगे। वह कौन है? उसने क्या कर लिया है? क्या वह हमारी परवाह करता है? वह हमसे क्या चाहता है? भगवान के अलावा किसी भी व्यक्ति, वस्तु या वस्तु की पूजा और सेवा करना इतना गलत क्यों है?

1. यूहन्ना 17:3- "अब यह अनन्त जीवन है: कि वे तुम्हें, एकमात्र सच्चे ईश्वर, और यीशु मसीह को, जिसे तुमने भेजा है, जान सकते हैं।"

एक। अनन्त जीवन प्राप्त करने के लिए, क्या आपको परमेश्वर को जानने की आवश्यकता है? है कि नहीं

2. यूहन्ना 4:23, 24- "फिर भी एक समय आ रहा है और अब आ गया है जब सच्चे उपासक पिता की आराधना आत्मा और सच्चाई से करेंगे, क्योंकि वे उस तरह के उपासक हैं जिन्हें पिता चाहता है। परमेश्वर आत्मा है, और उसके उपासकों को आत्मा और सच्चाई से पूजा करनी चाहिए।"

एक। ईश्वर या तो आत्मा है या पदार्थ। कौन सा? _____

बी। क्या परमेश्वर लोगों को उसकी आराधना करने की तलाश कर रहा है? है कि नहीं

3. प्रेरितों के काम 17:24-31- "जिस परमेश्वर ने संसार और उसमें की हर वस्तु को बनाया, वह स्वर्ग और पृथ्वी का स्वामी है और हाथों के बनाए हुए मन्दिरों में नहीं रहता। और वह मनुष्यों के हाथों से सेवा नहीं करता, मानो उसे किसी चीज की आवश्यकता हो, क्योंकि वह स्वयं सभी लोगों को जीवन और सांस और बाकी सब कुछ देता है। उस ने एक ही मनुष्य से सब जातियां बनाई, कि वे सारी पृथ्वी पर बस जाएं; और उस ने उनके लिये ठहराए हुए समयों को, और उनके रहने के स्थान का ठीक-ठीक निर्धारण किया। परमेश्वर ने ऐसा इसलिए किया ताकि लोग उसे ढूँढ़ें और शायद उसके लिए पहुँचें और उसे ढूँढ़ें, हालाँकि वह हम में से हर एक से दूर नहीं है। 'क्योंकि उसी में हम रहते हैं और चलते हैं और हमारा अस्तित्व है।' जैसा कि आपके अपने कुछ कवियों ने कहा है, 'हम उसकी संतान हैं।'

"इसलिए, चूंकि हम भगवान की संतान हैं, इसलिए हमें यह नहीं सोचना चाहिए कि दिव्य सत्ता सोने या चांदी या पत्थर की तरह है-मनुष्य के डिजाइन और कौशल द्वारा बनाई गई छवि। अतीत में भगवान ने इस तरह की अज्ञानता को नजरअंदाज किया था, लेकिन अब वह हर जगह सभी लोगों को पश्चाताप करने की आज्ञा देता है। क्योंकि उस ने एक दिन ठहराया है, जब वह अपने नियुक्त मनुष्य के द्वारा जगत का न्याय न्याय से करेगा। इस बात का प्रमाण उस ने सब मनुष्यों को मरे हुआओं में से जिलाकर दिया है।"

एक। दुनिया और उसमें जो कुछ है, उसे किसने बनाया? _____

बी। किसे किसकी जरूरत है?

___ 1) हमें भगवान चाहिए

___ 2) भगवान को हमारी जरूरत है
सी। क्या दिखाता है कि परमेश्वर हमारी परवाह करता है

- ___ 1) वह हमें जीवन और सांस देता है
___ 2) वह चाहता है कि हम उसकी तलाश करें
___ 3) वह हमेशा हम में से हर एक के पास रहता है
___ 4) ये सभी उत्तर।

डी। वह जो सोचता है कि भगवान सोने, चांदी, पत्थर या कला के किसी अन्य काम के समान है:

- ___ 1) बुद्धिमान
___ 2) अज्ञानी

इ। क्या आपको लगता है कि परमेश्वर वास्तव में उन लोगों का न्याय और निंदा करेगा जो पश्चात्ताप नहीं करते हैं, यह जानते हुए भी कि वह हम सभी से प्यार करता है और उनकी परवाह करता है? है कि नहीं

4. रोमियों 1:18-25 - "परमेश्वर का कोप उन मनुष्यों की सब अभक्ति और अधर्म पर स्वर्ग से प्रगट होता है, जो अपनी दुष्टता से सत्य को दबाते हैं, क्योंकि जो कुछ परमेश्वर के विषय में जाना जा सकता है, वह उनके लिए स्पष्ट है, क्योंकि परमेश्वर ने उन्हें स्पष्ट कर दिया। क्योंकि संसार की रचना के समय से ही परमेश्वर के अदृश्य गुण-उनकी शाश्वत शक्ति और दिव्य प्रकृति- को स्पष्ट रूप से देखा गया है, जो कि बनाया गया है, ताकि मनुष्य बिना किसी बहाने के समझा जा सके।

"क्योंकि वे परमेश्वर को जानते थे, तौभी न तो उन्होंने परमेश्वर के रूप में उसकी बड़ाई की, और न उसका धन्यवाद किया, परन्तु उनका सोचना व्यर्थ हो गया, और उनके मूर्ख मनो पर अन्धेरा छा गया। यद्यपि उन्होंने बुद्धिमान होने का दावा किया, वे मूर्ख बन गए और अमर परमेश्वर की महिमा का आदान-प्रदान नश्वर मनुष्य और पक्षियों और जानवरों और सरीसृपों की तरह दिखने वाली छवियों के लिए किया।

"इसलिये परमेश्वर ने उन्हें उनके मन की पापमय अभिलाषाओं के अनुसार व्यभिचार के हाथ में कर दिया, कि वे एक दूसरे के साथ उनके शरीरों का नाश करें। उन्होंने झूठ के लिए परमेश्वर की सच्चाई का आदान-प्रदान किया, और सृष्टिकर्ता के बजाय उसकी पूजा की और उसकी सेवा की, जिसकी हमेशा प्रशंसा की जाती है। तथास्तु।"

एक। यहाँ तक कि एक व्यक्ति जिसने कभी बाइबल नहीं पढ़ी, उसे पता होना चाहिए कि सृष्टिकर्ता शक्तिशाली, बुद्धिमान और दिव्य है? है कि नहीं

बी। क्या वह व्यक्ति जो सृष्टिकर्ता परमेश्वर के अस्तित्व को नकारता है, उसके पास कोई बहाना है? है कि नहीं
सी। क्या यह तथ्य कि परमेश्वर हमारा सृष्टिकर्ता है, हमें उसकी आराधना और स्तुति करने के लिए प्रेरित करता है? है कि नहीं

डी। क्या परमेश्वर लोगों को उनकी अपनी पापपूर्ण इच्छाओं का पालन करने देता है, भले ही वे उससे अप्रसन्न हों?
है कि नहीं

इ। जो सृजी गई वस्तुओं की पूजा और सेवा करता है
निर्माता के बजाय है? सही या गलत

एफ। कुछ ऐसी सृजित चीज़ें लिखिए जो आजकल लोग परोसते हैं:

- 1) _____
2) _____
3) _____

5. मत्ती 19:26- "यीशु ने उनकी ओर देखा और कहा, 'मनुष्य से तो यह नहीं हो सकता, परन्तु परमेश्वर से सब कुछ हो सकता है।"

एक। क्या ऐसा कुछ है जो भगवान नहीं कर सकता? है कि नहीं

बी। क्या हम अपनी सभी आवश्यकताओं की पूर्ति के लिए परमेश्वर पर भरोसा कर सकते हैं? है कि नहीं

6. यूहन्ना 3:16- "क्योंकि परमेश्वर ने जगत से ऐसा प्रेम रखा कि उस ने अपना एकलौता पुत्र दे दिया, कि जो कोई उस पर विश्वास करे, वह नाश न हो, परन्तु अनन्त जीवन पाए।" (रोमियों 5:6-8) आप देखते हैं, ठीक समय पर, जब हम शक्तिहीन थे,

मसीह अधर्मियों के लिए मरा। शायद ही कोई किसी नेक आदमी के लिए मरेगा, हालांकि एक अच्छे इंसान के लिए कोई मरने की हिम्मत कर सकता है। परन्तु परमेश्वर हम पर अपना प्रेम इस रीति से प्रगट करता है: जब हम पापी ही थे, तो मसीह हमारे लिये मरा।”

एक। क्या आप पापी होते हुए भी परमेश्वर से प्रेम करते हैं? है कि नहीं
बी। आपके लिए परमेश्वर के प्रेम का सबसे बड़ा प्रमाण क्या है? _____
सी। भगवान आपके लिए क्या चाहता है? मृत्यु या जीवन

सारांश:

आपने देखा कि जिस परमेश्वर ने आपको बनाया है वह भी आपसे प्यार करता है और चाहता है कि आप उसकी तलाश करें, उसकी पूजा करें और उसकी महिमा करें। यह अद्भुत परमेश्वर शक्तिशाली है और "जो कुछ हम मांग या सोच सकते हैं उससे कहीं अधिक करने में सक्षम है" (इफिसियों 3:20)। उसने हमें अपना पुत्र, यीशु, अपने प्रेम के महान प्रदर्शन के रूप में दिया। अब आपको इस यीशु के बारे में कुछ महत्वपूर्ण बातें सीखने की जरूरत है।

यीशु कौन है?

इन रीडिंग में आप यीशु मसीह, जीवन के राजकुमार के बारे में जानेंगे। (प्रेरितों 3:15) वह कौन है? उसका हमारे लिए क्या महत्व है? वह हमारी स्तुति और आज्ञाकारिता के योग्य क्यों है?

1. यूहन्ना 1:1-4, 14- "शुरुआत में शब्द था, और शब्द भगवान के साथ था, और शब्द भगवान था। वह शुरुआत में परमेश्वर के साथ था। उसके बिना कुछ भी नहीं बन सकता; उसके बिना कुछ भी नहीं बनाया गया था जो बनाया गया है। उसमें जीवन था, और वह जीवन मनुष्यों का प्रकाश था। ... वचन देहधारी हुआ और हमारे बीच अपना निवास स्थान बना लिया। हमने उसकी महिमा, एक और एकमात्र की महिमा देखी है, जो पिता की ओर से अनुग्रह और सच्चाई से भरी हुई है।”

एक। क्या यीशु परमेश्वर है? है कि नहीं
बी। हमें जीवन कहाँ मिल सकता है? _____
सी। क्या यीशु परमेश्वर है जो मनुष्य बन गया और कुछ समय के लिए यहाँ पृथ्वी पर रहा? है कि नहीं

2. मत्ती 1:20-23- "परन्तु यह सोचकर यहोवा का एक दूत उसे स्वप्न में दिखाई दिया, और कहा, दाऊद के पुत्र यूसुफ, मरियम को अपक्की पत्नी होने के लिये घर ले जाने से मत डर; पवित्र आत्मा। वह एक पुत्र को जनेगी, और तू उसका नाम यीशु रखना, क्योंकि वह अपने लोगों को उनके पापों से बचाएगा।" यह सब उस बात को पूरा करने के लिए हुआ जो यहोवा ने भविष्यद्वक्ता के माध्यम से कही थी: 'कुंवारी गर्भवती होगी और एक पुत्र को जन्म देगी, और वे उसे इम्मानुएल कहेंगे' - जिसका अर्थ है, "भगवान हमारे साथ।”

एक। क्या यीशु की कल्पना चमत्कारिक ढंग से की गई थी? है कि नहीं
बी। यीशु हमें किससे बचाने आया था? _____
सी। यीशु मसीह है:

- ___ 1) भगवान जो यहाँ पृथ्वी पर हमारे साथ मानव रूप में रहते थे
- ___ 2) केवल एक अच्छा इंसान

3. मत्ती 16:13-16- "जब यीशु कैसरिया फिलिप्पी के क्षेत्र में आया, तो उसने अपने शिष्यों से पूछा, 'लोग कहते हैं कि मनुष्य का पुत्र कौन है?' उन्होंने उत्तर दिया, 'कुछ कहते हैं यूहन्ना बपतिस्मा देने वाला; दूसरे कहते हैं एलियाह; और अन्य, यिर्मयाह या भविष्यद्वक्ताओं में से कोई।' 'लेकिन आपका क्या चल रहा है?' उसने पूछा। 'आपको किसने कहा कि मैं कौन हूँ?' शमौन पतरस ने उत्तर दिया, 'तू जीवते परमेश्वर का पुत्र मसीह है।”

एक। यीशु कौन है? _____

4. यूहन्ना 10:11, 14, 15, 27- "मैं अच्छा चरवाहा हूँ। अच्छा चरवाहा भेड़ों के लिए अपना प्राण देता है।” ... "मैं अच्छा चरवाहा हूँ; मैं अपनी भेड़ों को जानता हूँ और मेरी भेड़ें मुझे जानती हैं - जैसे पिता मुझे जानता है और मैं पिता को जानता हूँ और मैं भेड़ों

के लिए अपना प्राण देता हूँ।" ... "मेरी भेड़ें मेरा शब्द सुनती हैं; मुझे उनके बारे में जानकारी है, और वे मेरा पीछा कर रहे हैं।" एक। अच्छा चरवाहा कौन है? _____
बी। क्या अच्छा चरवाहा अपनी जान की कीमत पर भी हमारी देखभाल करने और हमारी रक्षा करने के लिए धरती पर आया था?
है कि नहीं
सी। मसीह आपका अच्छा चरवाहा होने के लिए, क्या आपको उसकी बात सुननी और उसका अनुसरण करना है? है कि नहीं

5. यूहन्ना 14:6- "यीशु ने उत्तर दिया, 'मार्ग और सत्य और जीवन मैं ही हूँ। मुझे छोड़कर पिता के पास कोई नहीं आया।'" एक। क्या यीशु के अलावा उद्धार पाने का कोई और तरीका है? है कि नहीं
बी। एकमात्र तरीका क्या है जिससे आप परमेश्वर को प्राप्त कर सकते हैं और अनन्त जीवन प्राप्त कर सकते हैं?
____ 1) कुछ पादरी के पीछे
____ 2) कुछ पुजारी का अनुसरण
____ 3) किसी गुरु या धार्मिक नेता का अनुसरण करना
____ 4) यीशु मसीह का अनुसरण करते हुए

6. 1 तीमथियुस 2:5- "क्योंकि परमेश्वर और मनुष्यों के बीच एक परमेश्वर और एक मध्यस्थ है, वह मनुष्य मसीह यीशु है।" एक। क्या यीशु के अलावा परमेश्वर और मनुष्य के बीच कोई अन्य मध्यस्थ है? है कि नहीं
बी। आज, क्या आप निम्न तरीकों से परमेश्वर के पास जा सकते हैं:
____ 1) मरियम, यीशु की माँ
____ 2) कोई संत या अच्छा व्यक्ति जो पहले ही मर चुका हो
____ 3) केवल यीशु मसीह के द्वारा

7. इब्रानियों 10:10-14 - "और उसी इच्छा से हम यीशु मसीह की देह के बलिदान के द्वारा सदा के लिए पवित्र किए गए हैं। प्रति दिन प्रत्येक पुजारी खड़ा होता है और अपने धार्मिक कर्तव्यों का पालन करता है; वह बार-बार वही बलिदान चढ़ाता है, जो पापों को कभी दूर नहीं कर सकता। परन्तु जब यह याजक पापोंके लिये सर्वदा एक ही बलि चढ़ा चुका, तब परमेश्वर के दहिने जा बैठा। उस समय से वह इस बात की बात जोहता है, कि उसके शत्रु उसके पाँवों की चौकी बने, क्योंकि उस ने एक ही बलिदान के द्वारा उन्हें जो पवित्र किए जाते हैं, सदा के लिये सिद्ध कर दिया है।"

एक। हमारे पापों के लिए एकमात्र और सिद्ध बलिदान किसने चढ़ाया? _____

बी। क्या यीशु का बलिदान बार-बार दोहराया जाता है? है कि नहीं

सी। आप भगवान को कौन सा बलिदान चढ़ा सकते हैं जो आपके पापों का भुगतान करेगा?

- ____ 1) प्रार्थना या माला
- ____ 2) व्यक्तिगत पीड़ा
- ____ 3) विनम्र सेवा
- ____ 4) योगदान और दशमांश
- ____ 5) दान के कार्य
- ____ 6) आप जो कुछ भी नहीं कर सकते वह आपके पापों की कीमत चुकाएगा

सारांश

इन छंदों में आपने देखा कि यीशु मसीह है, जीवित परमेश्वर का पुत्र, मार्ग, सत्य और जीवन, हमारे लिए परमेश्वर पिता, उद्धारकर्ता, पूर्ण और एकमात्र बलिदान जो भुगतान करने में सक्षम है, को पाने का एकमात्र तरीका है। हमारे पापों के लिए। और वह बहुत अधिक है! अपने बाइबल पठन में यीशु के बारे में अन्य सच्चाइयों को खोजने का प्रयास करें। लेकिन आपको पहले से ही समझना चाहिए कि बाइबल क्यों कहती है कि "स्वर्ग के नीचे कोई दूसरा नाम नहीं दिया गया, जिसके द्वारा हम उद्धार पा सकें।" (प्रेरितों 4:12) आपको आपके पापों से बचाने के लिए यीशु की आवश्यकता है।

रुकें और इस अद्भुत व्यक्ति के बारे में सोचें! उसकी महानता को पहचानें और आपको उसकी हर चीज के लिए कितनी जरूरत है, खासकर मोक्ष के लिए। उद्धार और अनन्त जीवन की तलाश करो जो केवल यीशु मसीह में पाया जाता है।

यीशु प्रभु है!

इस भाग में आप जानेंगे कि इसका क्या अर्थ है कि यीशु ही प्रभु है। उसका हम पर अधिकार क्यों है! उसके उदाहरण का अनुसरण करना और उसकी आज्ञाओं का पालन करना इतना महत्वपूर्ण क्यों है?

1. प्रेरितों के काम 2:36- "इसलिये सारे इस्राएल को इस बात का निश्चय हो जाए: परमेश्वर ने इस यीशु को, जिसे तू ने क्रूस पर चढ़ाया, परमेश्वर और मसीह दोनों ने बनाया है।"

एक। अपने पुनरुत्थान के बाद, यीशु को _____ और _____ बनाया गया था।

2. फिलिप्पियों 2:9-11- "इसलिये परमेश्वर ने उसे सबसे ऊंचे स्थान पर ऊंचा किया, और उसे वह नाम दिया जो सब नामों में श्रेष्ठ है, कि स्वर्ग में और पृथ्वी पर और पृथ्वी के नीचे हर एक घुटना यीशु के नाम पर झुके, और हर एक जीभ अंगीकार करे कि यीशु मसीह है हे प्रभु, परमेश्वर पिता की महिमा के लिए।"

एक। क्या यीशु से बढ़कर कोई व्यक्ति है? है कि नहीं

बी। कौन स्वीकार करेगा कि एक दिन यीशु ही प्रभु है? _____

3. मत्ती 28:18- "तब यीशु ने उनके पास आकर कहा, 'स्वर्ग और पृथ्वी का सारा अधिकार मुझे दिया गया है।'"

एक। परमेश्वर ने यीशु को _____ अधिकार दिया।

बी। क्या यीशु को यह अधिकार है कि वह हमें जो चाहे वह करने का आदेश दे? है कि नहीं

सी। आप पर अधिक अधिकार किसका है?

- ___ 1) धार्मिक नेताओं की एक चर्च परिषद
- ___ 2) देश की सरकार
- ___ 3) एक उपदेशक या पुजारी
- ___ 4) आपका परिवार
- ___ 5) जीसस क्राइस्ट

4. यूहन्ना 12:48- "उसके लिए एक न्यायाधीश है जो मुझे अस्वीकार करता है और मेरे शब्दों को स्वीकार नहीं करता है; वही वचन जो मैं ने कहा था, वह अन्तिम दिन में उसे दोषी ठहराएगा।"

एक। यीशु ने कहा कि हमारा न्याय अन्तिम दिन के शब्दों के द्वारा किया जाएगा

- ___ 1) एक पादरी
- ___ 2) एक रब्बी
- ___ 3) एक पुजारी
- ___ 4) स्वयं यीशु

बी। क्रियामत के दिन, क्या फ़ैसले का आधार वही होगा जो आप सोचते हैं कि सही है या गलत?

है कि नहीं

सी। परमेश्वर के न्याय के दिन, क्या आपका न्याय आपके माता-पिता के वचनों और विश्वासों से होगा?

है कि नहीं

5. लूका 6:46- "आप मुझे 'भगवान, भगवान' क्यों कहते हैं, और जो मैं कहता हूं वह नहीं करते?"

एक। जो व्यक्ति यीशु को प्रभु कहता है, वह उसके लिए _____ के लिए बाध्य है।

बी। यदि आप यीशु की आज्ञा का पालन नहीं कर रहे हैं, तो क्या आपको उसे प्रभु कहने का अधिकार है? है कि नहीं

6. मत्ती 7:21-23- "हर कोई जो मुझ से, 'हे प्रभु, हे प्रभु' कहता है, स्वर्ग के राज्य में प्रवेश नहीं करेगा, परन्तु केवल वही जो मेरे स्वर्ग में रहने वाले पिता की इच्छा पर चलता है। उस दिन बहुत से लोग मुझ से कहेंगे, हे प्रभु, हे प्रभु, क्या हम ने तेरे नाम से भविष्यद्वाणी नहीं की, और तेरे नाम से दुष्टात्माओं को निकाला, और बहुत से चमत्कार न किए? तब मैं उन्हें स्पष्ट रूप से बताऊंगा, 'मैं तुम्हें कभी नहीं जानता था। हे दुष्टों, मुझ से दूर रहो!'"

एक। क्या वे सभी जो यीशु को प्रभु कहते हैं और उस पर विश्वास करते हैं, उद्धार पायेंगे? है कि नहीं
बी। क्या उद्धार पाने के लिए यीशु की आज्ञा का पालन करना आवश्यक है? है कि नहीं
सी। क्या आप हर बात में यीशु की आज्ञा का पालन करना चाहते हैं? है कि नहीं

7. 1 यूहन्ना 2:6- "जो कहता है कि मैं उसमें बना रहता हूं, उसे आप भी वैसे ही चलना चाहिए जैसे वह चला।"

एक। जीवन में हमें किस उदाहरण का अनुकरण करना चाहिए? _____

बी। क्या हमें यीशु की तरह जीने की कोशिश करनी चाहिए, यानी समान मूल्यों, गुणों और दृष्टिकोणों के साथ?
है कि नहीं

सी। यह कहना आसान है, "मैं एक ईसाई हूं", लेकिन जो व्यक्ति वास्तव में यीशु में रहता है उसे _____ होना चाहिए।

8. लूका 14:27, 33- "और जो कोई अपना क्रूस लेकर मेरे पीछे नहीं चलता वह मेरा शिष्य नहीं हो सकता। ... उसी तरह, तुम में से जो अपना सब कुछ नहीं छोड़ता वह मेरा चेला नहीं हो सकता।"

एक। यीशु का सच्चा शिष्य बनने के लिए, क्या आपको उसे और उसकी इच्छा को अपने जीवन में हर चीज से ऊपर रखना चाहिए?

है कि नहीं

बी। क्या आप एक ईसाई बनने का फैसला करेंगे, भले ही आपका परिवार इस फैसले के खिलाफ हो?

है कि नहीं

सारांश

हम देखते हैं कि यीशु सभी का प्रभु है, और व्यवहार में, इस सत्य का अर्थ है कि वह वही है जो सच्चे ईसाई के जीवन को नियंत्रित करता है। आप यीशु के सामने झुके बिना, और अपने जीवन का नियंत्रण उसके हाथों में सौंपे बिना आप एक ईसाई होने के बारे में नहीं सोच सकते। कोई भी व्यक्ति उसकी आज्ञा का पालन किए बिना ईसाई नहीं बन सकता। ईसाई का लक्ष्य उसके जैसा बनना और हर चीज में उसके प्रति आज्ञाकारी होना है। लेकिन याद रखें कि यीशु ने आपके प्रभु होने के लिए जो उच्च कीमत चुकाई है। उसने आपके लिए अपना जीवन दिया और अब आवश्यकता है कि आप उसके लिए जिएं। इन सत्यों पर चिंतन करें। अपने आप से पूछें कि क्या आप यीशु को प्रभु कहने के लिए तैयार हैं, यह जानते हुए कि यह स्वीकारोक्ति आपके जीवन में निहित है।

जीसस को क्यों मरना पड़ा?

इन रीडिंग में आप पाप के बारे में जानेंगे। यह हम पर परमेश्वर का दण्ड कैसे लाता है? क्रूस पर यीशु की पीड़ा और मृत्यु क्यों आवश्यक थी ताकि हमें परमेश्वर की सजा से बचाया जा सके? यीशु ने कलवारी के क्रूस पर पाप की बड़ी समस्या का समाधान कैसे किया?

1. 1 यूहन्ना 3:4; 5:17- "हर कोई जो पाप करता है वह कानून तोड़ता है; वास्तव में, पाप अधर्म है... सब अधर्म पाप है, और ऐसा पाप है जो मृत्यु की ओर नहीं ले जाता।"

एक। क्या जो कोई परमेश्वर की व्यवस्था को तोड़ता है या उसकी अवज्ञा करता है वह पापी है? है कि नहीं

बी। यदि आप कुछ ऐसा करते हैं जो परमेश्वर के वचन के अनुसार उचित या सही नहीं है, तो क्या आप पापी बन जाते हैं?

है कि नहीं

सी। क्या आपने व्यक्तिगत रूप से कभी परमेश्वर की अवज्ञा की है? है कि नहीं

2. याकूब 4:17- "तो, कोई भी, जो जानता है कि उसे क्या करना चाहिए और नहीं करना चाहिए, पाप करता है"

एक। क्या पापी वही व्यक्ति है जो हत्या करता है, चोरी करता है, शराब पीता है, झूठ बोलता है, व्यभिचार करता है या अन्य "भयानक अपराध करता है?" है कि नहीं

बी। क्या उन अच्छे कामों को करने में असफल होना भी पाप है जिन्हें हम करना जानते हैं? है कि नहीं
सी। क्या आपने हमेशा वे अच्छे काम किए हैं जिन्हें आप जानते हैं कि आपको करना चाहिए? है कि नहीं

3. गलातियों 3:10- "जो लोग व्यवस्था का पालन करने पर भरोसा करते हैं, वे शाप के अधीन हैं, क्योंकि यह लिखा है: 'शापित है हर कोई जो कानून की पुस्तक में लिखी गई हर चीज को जारी नहीं रखता है।'"

एक। वह व्यक्ति जो हमेशा वह सब कुछ नहीं करता जिसकी ईश्वर मांग करता है वह पापी और _____ है।

बी। क्या आपने हमेशा वह सब किया है जिसकी परमेश्वर मांग करता है? है कि नहीं

4. रोमियों 3:23- "क्योंकि सबने पाप किया है और परमेश्वर की महिमा से रहित हैं, और उसके अनुग्रह से उस छुटकारे के द्वारा जो मसीह यीशु के द्वारा आया है, स्वतंत्र रूप से धर्मी ठहरे हैं।"

एक। क्या तुम पापी हो? है कि नहीं

बी। अपने कुछ पापों की सूची बनाएं:

(उन्हें क्रॉस के प्रतीक के ऊपर लिखें)

सी। इनके बारे में सोचते हुए, अपने पापों का, व्यक्तिगत रूप से उत्तर दें:

1) क्या ये पाप भगवान को दुखी करते हैं? है कि नहीं

2) क्या ये पाप आपको दुखी करते हैं? है कि नहीं

3) क्या आप जानते हैं कि परमेश्वर पापियों को दण्ड देगा? है कि नहीं

4) क्या आप चाहते हैं कि इन पापों को क्षमा किया जाए और एक छोटे बच्चे की तरह निर्दोष बनें?
है कि नहीं

5) क्या आप हमेशा यीशु के साथ रहना चाहते हैं? है कि नहीं

5. रोमियों 6:23- "पाप की मजदूरी के लिए मृत्यु है, लेकिन भगवान का उपहार हमारे प्रभु मसीह यीशु में अनन्त जीवन है।"

एक। एक पापी को उसके वेतन के रूप में क्या चाहिए?

_____ 1) एक बीमारी अनुबंध

_____ 2) एक तीखी फटकार

_____ 3) एक और मौका

_____ 4) क्षमा करें

_____ 5) शाश्वत मृत्यु

बी। क्या परमेश्वर पापी को दण्ड देने पर ही ठीक है? है कि नहीं

सी। एक पापी के रूप में क्या आप परमेश्वर के दंड के पात्र हैं? है कि नहीं

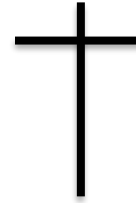
सारांश

अब आपको पता होना चाहिए कि आप, हम में से बाकी लोगों की तरह, एक पापी हैं जो परमेश्वर की निंदा और मृत्यु के योग्य हैं। लेकिन "भगवान ने दुनिया से इतना प्यार किया कि उसने हमें जीवन देने में सक्षम होने के लिए अपना इकलौता बेटा दे दिया"। यीशु, क्योंकि वह आपसे प्रेम करता है, आपके सभी पापों की कीमत चुकाने के लिए कलवारी के क्रूस पर क्रूस पर चढ़ाया गया था। अब आपको इस पर चिंतन करने की आवश्यकता है क्योंकि हम में से प्रत्येक को यह तय करना है कि हम इन सत्यों पर कैसे प्रतिक्रिया देंगे। यदि आप निर्णय लेते हैं कि आप अपने पापों से क्षमा प्राप्त करना चाहते हैं, तो आप जानना चाहेंगे कि क्षमा कैसे प्राप्त करें और मृत्यु से जीवन में कैसे प्रवेश करें।

अपने पापों को क्षमा करने के लिए मुझे क्या करना चाहिए?

इन पाठों में आप सीखेंगे कि अपने पापों की क्षमा और अनन्त जीवन प्राप्त करने के लिए आपको क्या करना चाहिए। यह जानते हुए कि यीशु ने पहले ही आपके पापों की कीमत चुका दी है, क्रूस पर मसीह के बलिदान का लाभ प्राप्त करने के लिए आपको क्या करना चाहिए?

1. यूहन्ना 3:16- "क्योंकि परमेश्वर ने जगत से ऐसा प्रेम रखा कि उस ने अपना एकलौता पुत्र दे दिया, कि जो कोई उस पर



विश्वास करे, वह नाश न हो, परन्तु अनन्त जीवन पाए।"

एक। अनन्त जीवन पाने के लिए क्या आपको यीशु पर विश्वास करना होगा? है कि नहीं

2. यूहन्ना 8:24- "मैंने तुमसे कहा था कि तुम अपने पापों में मरोगे; यदि तुम विश्वास नहीं करते कि मैं [वही हूँ जिसे मैं होने का दावा करता हूँ], तो तुम अपने पापों में मरोगे।"

एक। यदि आप यीशु पर विश्वास नहीं करते हैं तो क्या बचाया जा सकता है? है कि नहीं

3. रोमियों 10:14-15- "फिर, जिस पर उन्होंने विश्वास नहीं किया, वे उसे कैसे बुला सकते हैं? और जिस की नहीं सुनी उस पर वे कैसे विश्वास करें? और बिना किसी को उपदेश दिए वे कैसे सुन सकते हैं?"

एक। विश्वास करने के लिए, क्या आपको यीशु मसीह का सुसमाचार सुनना होगा? है कि नहीं

4. लूका 13:3- "मैं तुमसे कहता हूँ, नहीं! परन्तु जब तक तुम पश्चाताप न करोगे, तुम भी सब नाश हो जाओगे।"

एक। क्या आप अनन्त जीवन प्राप्त करेंगे यदि आप यह स्वीकार करने से इनकार करते हैं कि आपने पाप किया है और अपने पापों का पश्चाताप किया है?

है कि नहीं

5. 2 कुरिन्थियों 7:10- "ईश्वरीय दुःख पश्चाताप लाता है जो मोक्ष की ओर ले जाता है और कोई पछतावा नहीं छोड़ता है, लेकिन सांसारिक दुःख मृत्यु लाता है।"

एक। पश्चाताप करने का अर्थ है:

___ 1) पाप में बने रहने का नहीं बल्कि परमेश्वर के आज्ञाकारी होने का निर्णय लेते हैं।

___ 2) केवल अपने द्वारा किए गए पापों के लिए पश्चाताप महसूस करें।

बी। क्या आप पाप करना छोड़ना चाहते हैं? है कि नहीं

6. मरकुस 16:16- "जो कोई विश्वास करता है और बपतिस्मा लेता है वह बच जाएगा, लेकिन जो विश्वास नहीं करता वह दोषी ठहराया जाएगा।"

एक। इनमें से कौन सा कथन यीशु द्वारा सिखाया गया सत्य है?

___ 1) जो विश्वास करता है वह बच जाएगा और बाद में उसे बपतिस्मा लेना चाहिए

___ 2) जो बपतिस्मा लेता है वह बच जाएगा और बाद में उसे विश्वास करना चाहिए

___ 3) जो विश्वास करता है और बपतिस्मा लेता है वह बच जाएगा

7. प्रेरितों के काम 2:38- "पतरस ने उत्तर दिया, "पश्चाताप करो और तुम में से हर एक अपने पापों की क्षमा के लिए यीशु मसीह के नाम से बपतिस्मा ले। और तुम पवित्र आत्मा का उपहार प्राप्त करोगे।"

एक। इस बपतिस्मा का उद्देश्य क्या है?

___ 1) पापों की क्षमा (क्षमा) के लिए

___ 2) दुनिया को यह घोषणा करने के लिए कि आप बच गए हैं

___ 3) एक धार्मिक संप्रदाय का सदस्य बनने के लिए

8. प्रेरितों के काम 22:16- "और अब आप किसका इंतज़ार कर रहे हैं? उठो, बपतिस्मा लो और उसका नाम लेकर अपने पापों को धोओ।"

एक। शाऊल को कब बचाया गया?

___ 1) जब उसने दमिश्क के रास्ते में यीशु पर विश्वास किया

___ 2) जब उन्होंने दमिश्क में प्रार्थना की और उपवास किया

___ 3) जब उसने अपने पापों से धोकर बपतिस्मा लिया था

बी। शाऊल ने यहोवा से क्या करने को कहा?

___ 1) उसके पाप धो लो

___ 2) दुनिया को बताएं कि उसे बचाया गया था

9. कुलुस्सियों 2:12- "बपतिस्मा में उसके साथ दफनाया गया और उसके साथ ईश्वर की शक्ति में विश्वास के माध्यम से उठाया गया, जिसने उसे मृतकों में से जिलाया।"

एक। क्या बपतिस्मा परमेश्वर की शक्ति में विश्वास की अभिव्यक्ति है हाँ या नहीं
बी। क्या उस व्यक्ति को बपतिस्मा देना सही है जो मसीह में विश्वास नहीं करता है? है कि नहीं

10. रोमियों 6:3-6- "या क्या आप नहीं जानते कि हम सभी जिन्होंने ईसा मसीह में बपतिस्मा लिया था, उनकी मृत्यु में बपतिस्मा लिया गया था? इसलिथे हम उसके साथ मृत्यु के बपतिस्मे के द्वारा गाड़े गए, कि जैसे मसीह पिता की महिमा के द्वारा मरे हुओं में से जिलाया गया, वैसे ही हम भी एक नया जीवन जीएं। यदि हम उसकी मृत्यु के समय उसके साथ ऐसे ही एक हो गए हैं, तो उसके पुनरुत्थान में हम भी निश्चय उसके साथ एक हो जाएंगे।"

एक। क्या मसीह में नया जीवन इस दफनाने और बपतिस्मा के पुनरुत्थान के पहले या बाद में शुरू होता है? _____

11. आपका बपतिस्मा कैसा था?

एक। जब आपने बपतिस्मा लिया था तब क्या आपने यीशु पर विश्वास किया था? है कि नहीं
बी। क्या आपका बपतिस्मा पानी में दफन (विसर्जन) था? है कि नहीं
सी। क्या आपका बपतिस्मा आपके पापों की क्षमा के लिए था? है कि नहीं
डी। क्या आपने बपतिस्मा लेने से पहले अपने पापों का पश्चाताप किया था? है कि नहीं
इ। क्या आपका बपतिस्मा बाइबिल था और इस प्रकार मान्य था? है कि नहीं

सारांश

पाप की दुनिया को पीछे छोड़ने और ईसाई बनने के लिए, आपको यीशु मसीह की खुशखबरी को सुनना और समझना चाहिए। विश्वास करें कि यीशु परमेश्वर के पुत्र हैं जिन्होंने एक पाप रहित जीवन जिया, आपके स्थान पर क्रूस पर मरे और फिर तीसरे दिन मृतकों में से जी उठे। आपको अपने पापों का पश्चाताप करना चाहिए, ईमानदारी से निर्णय लेते हुए कि आप प्रभु यीशु के अधीन रहने के लिए जीने जा रहे हैं। आपको उसे प्रभु के रूप में स्वीकार करना चाहिए और अपने पापों की क्षमा के लिए यीशु मसीह के नाम पर पानी में बपतिस्मा (डुबना) लेना चाहिए। ऐसा करने से, आप ईसाई जीवन शुरू करते हैं, ईश्वर की सजा के डर से मुक्त और मसीह में अनन्त जीवन की आशा में सुरक्षित। अभी रुकें और ईसाई बनने की अपनी आवश्यकता पर चिंतन करें। यदि आप पहले ही मसीह में परिवर्तित हो चुके हैं, तो अपने आप से पूछें कि क्या आपका रूपांतरण बाइबल के अनुसार हुआ था या नहीं। लेकिन इतना महत्वपूर्ण निर्णय लेने से पहले,

उसकी कलीसिया के लिए परमेश्वर की इच्छा क्या है?

इन रीडिंग में आप सीखेंगे कि एक ईसाई और अपने आध्यात्मिक शरीर, चर्च के सदस्य के रूप में भगवान आपसे क्या चाहते हैं। चर्च क्या है? चर्च कैसा होना चाहिए? चर्च को क्या करना चाहिए? चर्च के सदस्य के रूप में आपकी क्या जिम्मेदारी है?

1. इफिसियों 1:22-23- "और परमेश्वर ने सब कुछ उसके पांवों के नीचे रखा, और उसे कलीसिया के लिए सब कुछ का मुखिया नियुक्त किया, जो कि उसका शरीर है, उसकी परिपूर्णता जो हर चीज में हर चीज को भरती है।"

एक। चर्च पर पूरा अधिकार किसके पास है? _____

बी। चर्च का मुखिया कौन है?

___ 1) रोमन कैथोलिक पोप

___ 2) कुछ प्रोटेस्टेंट पादरी, बिशप या रेवरेंड

___ 3) केवल यीशु मसीह

सी। क्या कलीसिया को मसीह की देह कहा जाता है? है कि नहीं

2. इफिसियों 4:4- "एक शरीर और एक आत्मा है - जैसे आपको एक आशा के लिए बुलाया गया था जब आपको बुलाया गया

था।"

एक। बाइबिल के अनुसार यीशु के कितने शरीर हैं? _____
बी। चर्च (मसीह का शरीर) को प्रस्तुत करना चाहिए:

- ___ 1) परंपराएं और मानव के फरमान
- ___ 2) यीशु, जो चर्च का मुखिया है

3. यूहन्ना 17:21- "... कि वे सभी एक हों, पिता, जैसे आप मुझ में हैं और मैं आप में हूँ। वे भी हम में रहें, कि जगत विश्वास करे, कि तू ही ने मुझे भेजा है।"

एक। यीशु चाहता है कि उसके सभी अनुयायी हों:

- ___ 1) संयुक्त
- ___ 2) विभिन्न धार्मिक संप्रदायों में विभाजित

4. 1 कुरिन्थियों 1:10-13- "हे भाइयो, मैं अपने प्रभु यीशु मसीह के नाम से तुम से बिनती करता हूँ, कि तुम सब एक दूसरे से सहमत हो जाओ, कि तुम में फूट न हो, और तुम मन और विचार में एक हो जाओ। मेरे भाइयों, क्लो के परिवार के कुछ लोगों ने मुझे सूचित किया है कि तुम्हारे बीच झगड़े हैं। मेरा मतलब यह है: आप में से एक कहता है, 'मैं पॉल का अनुसरण करता हूँ'; दूसरा, 'मैं अपुल्लोस का अनुसरण करता हूँ'; दूसरा, 'मैं कैफा का अनुसरण करता हूँ'; एक और, 'मैं मसीह का अनुसरण करता हूँ।' क्या मसीह विभाजित है? क्या पॉल आपके लिए क्रूस पर चढ़ाया गया था? क्या तुमने पौलुस के नाम से बपतिस्मा लिया था?"

एक। क्या परमेश्वर अपने चर्च में विभाजन की निंदा करता है? है कि नहीं

बी। कुछ लोग कहते हैं: "यह कितना अद्भुत है कि इतने सारे संप्रदाय और चर्च हैं क्योंकि हर कोई अपने लिए उपयुक्त चर्च चुन सकता है।" क्या यह सही है या गलत?

5. इफिसियों 4:16 - "... सारा शरीर उसी से जुड़ा हुआ है, और हर एक बंधन से जुड़ा हुआ है, बढ़ता है और अपने आप को प्यार में बनाता है, जैसा कि प्रत्येक अंग अपना काम करता है।"

एक। क्या प्रत्येक मसीही विश्वासी को कलीसिया के जीवन और कार्य में सक्रिय रूप से भाग लेना चाहिए? है कि नहीं

6. इब्रानियों 10:24-25- "और हम विचार करें कि हम प्रेम और भले कामों की ओर एक दूसरे को कैसे प्रेरित कर सकते हैं। आइए हम एक साथ मिलना न छोड़ें, जैसा कि कुछ करने की आदत है, लेकिन आइए हम एक-दूसरे को प्रोत्साहित करें-और इससे भी ज्यादा जब आप दिन को आते देखते हैं।"

एक। क्या परमेश्वर चाहता है कि सभी ईसाई नियमित रूप से चर्च की सभाओं में भाग लें? है कि नहीं

7. प्रेरितों के काम 2:42- "उन्होंने खुद को प्रेरितों की शिक्षा और संगति के लिए, रोटी तोड़ने और प्रार्थना करने के लिए समर्पित कर दिया।"

एक। ईसाई जीवन में दृढ़ता शामिल है:

- ___ 1) प्रेरितों की शिक्षाएं
- ___ 2) फेलोशिप
- ___ 3) प्रभु भोज का पालन
- ___ 4) प्रार्थना
- ___ 5) ये सभी आइटम

8. प्रेरितों के काम 17:11- "अब बेरियन थिस्सलुनीकियों की तुलना में अधिक महान चरित्र के थे, क्योंकि उन्होंने बड़ी उत्सुकता के साथ संदेश प्राप्त किया और हर दिन पवित्रशास्त्र की जांच की कि क्या पॉल ने जो कहा वह सच था।"

एक। क्या आपको, एक ईसाई के रूप में, यह सुनिश्चित करने के लिए अपनी बाइबल का अध्ययन करना चाहिए कि जो आप सुनते हैं वह सच है या नहीं?

है कि नहीं

9. कुलुस्सियों 3:16- "मसीह के वचन को आप में समृद्ध रूप से रहने दें, जैसा कि आप एक दूसरे को सभी ज्ञान के साथ सिखाते हैं और सलाह देते हैं, और जब आप भगवान के प्रति अपने दिलों में कृतज्ञता के साथ भजन, भजन और आध्यात्मिक गीत गाते हैं।"

एक। क्या प्रभु चाहते हैं कि ईसाई भजन गाकर और स्तुति गाकर एक दूसरे को उन्नत और प्रोत्साहित करें? है कि नहीं

10. रोमियों 12:1-2- "इसलिए, मैं आपसे, भाइयों, भगवान की दया के कारण, अपने शरीर को जीवित, पवित्र और भगवान को प्रसन्न करने वाले बलिदान के रूप में पेश करने का आग्रह करता हूँ - यह आपकी पूजा का आध्यात्मिक कार्य है। अब इस दुनिया के पैटर्न के अनुरूप मत बनो, बल्कि अपने मन के नवीनीकरण से रूपांतरित हो जाओ। तब तुम परमेश्वर की इच्छा, उसकी भली, मनभावन और सिद्ध इच्छा को परखने और उसे स्वीकार करने में समर्थ होंगे।"

एक। क्या आपका पूरा जीवन प्रभु को समर्पित होना चाहिए? है कि नहीं

बी। अपने जीवन के कुछ क्षेत्रों की सूची बनाएं जिन्हें आप भगवान को समर्पित कर सकते हैं:

- 1) _____
- 2) _____
- 3) _____

सारांश

ईसाई जीवन चर्च में, सुसमाचार प्रचार में और अच्छे कार्यों में भागीदारी और भागीदारी का जीवन है। एक ईसाई होने का अर्थ है एक गंभीर प्रतिबद्धता जिसके बारे में आपको पहले से सोचना चाहिए। लेकिन ध्यान रहे, किसी अन्य तरीके से कोई मोक्ष नहीं है।

अपना अनंत जीवन कैसे रखें

इन रीडिंग्स में आप सीखेंगे कि कैसे अनंत जीवन के कब्जे में रहना है जो भगवान ने आपको ईसाई बनने पर दिया था। याद रखें कि बहुत से लोग कह सकते हैं कि "मैं एक ईसाई हूँ" या "मैं बच गया हूँ" लेकिन एक सच्चे ईसाई का जीवन कर्मों में खुद को प्रकट करेगा।

1. 1 यूहन्ना 1:5-7- "यह वह संदेश है जो हमने उससे सुना है और आपको घोषित करता है: भगवान प्रकाश है; उस में कोई अंधेरा नहीं है। यदि हम उसके साथ संगति करने का दावा करते हैं फिर भी अन्धकार में चलते हैं, तो हम झूठ बोलते हैं और सत्य के अनुसार नहीं जीते हैं। परन्तु यदि हम जैसे ज्योति में चलते हैं, वैसे ही वह भी ज्योति में चलता है, तो हमारी आपस में संगति होती है, और उसके पुत्र यीशु का लोहू हमें सब पापों से शुद्ध करता है।"

एक। यदि आप, एक ईसाई के रूप में, अंधेरे में रहना शुरू करते हैं, तो क्या आप परमेश्वर के साथ अपनी संगति खो देंगे? है कि नहीं

बी। यदि कोई ईसाई प्रकाश में चलना छोड़ देता है, तो क्या यीशु का लहू अब भी उसे उसके पापों से शुद्ध करेगा? है कि नहीं

2. 1 यूहन्ना 2:9- "जो कोई प्रकाश में होने का दावा करता है लेकिन अपने भाई से नफरत करता है वह अभी भी अंधेरे में है।"

एक। यदि आप, एक मसीही विश्वासी के रूप में, मसीह में अपने भाइयों से प्रेम करते हुए नहीं जीते हैं, तो क्या आप बचाया जाना जारी रखेंगे?

है कि नहीं

3. 1 यूहन्ना 2:3-6- "हम जानते हैं कि हम उसे जान गए हैं यदि हम उसकी आज्ञाओं का पालन करते हैं। वह आदमी जो कहता है, "मैं उसे जानता हूँ," लेकिन वह जो वह आज्ञा देता है वह नहीं करता वह झूठा है, और उसमें सच्चाई नहीं है। परन्तु यदि कोई उसके वचन का पालन करता है, तो परमेश्वर का प्रेम उस में सचमुच पूरा हो गया है। हम इस प्रकार जानते हैं कि हम उसमें हैं: जो कोई उस में रहने का दावा करता है, वह यीशु की नाई चले।"

एक। यदि एक ईसाई यीशु की आज्ञा का पालन करना बंद कर देता है, तो क्या वह अभी भी बच जाएगा?

है कि नहीं

4. 1 यूहन्ना 4:1,6- "प्रिय मित्रों, हर एक आत्मा की प्रतीति न करो, परन्तु आत्माओं को परखो कि वे परमेश्वर की ओर से हैं कि नहीं, क्योंकि बहुत से झूठे भविष्यद्वक्ता जगत में निकल गए हैं। ... "हम परमेश्वर की ओर से हैं, और जो कोई परमेश्वर को जानता है, वह हमारी सुनता है; परन्तु जो कोई परमेश्वर की ओर से नहीं है, वह हमारी नहीं सुनता। इस प्रकार हम सत्य की आत्मा और असत्य की आत्मा को पहचानते हैं।"

एक। क्या किसी धर्म के नाम पर कुछ सिखाने वाले हमेशा सच ही सिखाते हैं?

है कि नहीं

बी। एक सच्चे ईसाई होने के लिए, क्या आपको उसके प्रेरितों की शिक्षाओं को स्वीकार करना होगा? है कि नहीं

सारांश

ईसाई जीवन एक ऐसा जीवन है जो हर दिन यीशु की तरह बनने के लक्ष्य के लिए समर्पित है। यह जीवन तब शुरू होता है जब आप यीशु में विश्वास करते हैं, अपने पापों का पश्चाताप करते हैं और अपने पापों की क्षमा के लिए मसीह के नाम पर बपतिस्मा लेते हैं। यह जीवन तब तक बना रहता है जब तक आप प्रकाश में चलते रहते हैं (भाइयों से प्यार करना, यीशु की आज्ञा मानना और मसीह के सिद्धांत पर विश्वास करना)। यह जीवन प्रभु के योग्य है। वास्तव में ईसाई जीवन के मूल्य और सुंदरता पर कुछ समय चिंतन करें। कुछ तथाकथित "ईसाइयों" के जीवन से धोखा मत खाओ जो इसे मानते हैं लेकिन इसे नहीं जीते हैं। यीशु हमें उच्च जीवन जीने के लिए बुलाते हैं, वह जीवन जो उसके योग्य है।

समीक्षा और निष्कर्ष

आपने जो सीखा है उसकी समीक्षा करें और इन सवालों के जवाब देते हुए अपने जीवन के लिए एक व्यक्तिगत आवेदन करें:

1. क्या आप समझते हैं कि आप परमेश्वर की दृष्टि में पापी हैं और अनन्त दंड के पात्र हैं? है कि नहीं

2. क्या आप समझते हैं कि यीशु ने आपके पापों की कीमत चुकाई जब उसने क्रूस पर अपना जीवन दिया?

है कि नहीं

3. क्या आप सच्चे दिल से परमेश्वर और यीशु से प्यार करते हैं? है कि नहीं

4. क्या आप, स्वतंत्र रूप से और सही मायने में, सब कुछ त्यागना चाहते हैं और अपना जीवन यीशु को समर्पित करना चाहते हैं?

है कि नहीं

5. क्या आप सार्वजनिक रूप से स्वीकार करने के लिए तैयार हैं कि यीशु ही मसीह, परमेश्वर का पुत्र और आपका एकमात्र प्रभु है?

है कि नहीं

6. क्या आप अपने सभी पापों की क्षमा पाने के लिए बपतिस्मा में मसीह के साथ एक होना चाहते हैं? है कि नहीं

7. क्या आप सिर्फ एक ईसाई, मसीह के शरीर के सदस्य, उसके चर्च बनने की इच्छा रखते हैं? है कि नहीं

8. क्या आप समझते हैं और क्या आप ईसाई जीवन की प्रतिबद्धताओं को स्वीकार करने के लिए तैयार हैं?

है कि नहीं

9. यदि आपने इन सभी प्रश्नों का उत्तर "हाँ" में दिया है, तो प्रेरितों के काम 22:16 को प्रार्थनापूर्वक पढ़ें - "और अब आप क्यों प्रतीक्षा कर रहे हैं? उठो और बपतिस्मा लो, और प्रभु से प्रार्थना करते हुए अपने पापों को धो लो" और 2 थिस्सलुनीकियों 1:6-9 ... "क्योंकि जो तुम्हें परेशान करते हैं, उन्हें क्लेश के साथ चुकाना और तुम्हें देना परमेश्वर के पास धर्म है। जब प्रभु यीशु अपने पराक्रमी स्वर्गादूतों के साथ स्वर्ग से प्रगट होते हैं, तो वे हमारे साथ विश्राम करते हैं, जो धधकती आग में हमारे प्रभु यीशु मसीह के सुसमाचार को नहीं मानने वालों से बदला लेते हैं। ये प्रभु की उपस्थिति से और उसकी शक्ति की महिमा से हमेशा के लिए

विनाश के साथ दंडित किए जाएंगे ..."

ये मार्ग आपको यीशु मसीह के सुसमाचार का पालन करने के अपने निर्णय के बारे में गंभीरता से सोचने के लिए प्रेरित करेंगे। कोई भी निर्णय लेने से पहले इस पर ध्यान दें लेकिन बचाए जाने की तात्कालिकता पर ध्यान दें। याद रखें कि कोई नहीं जानता कि वह दिन या घड़ी कब आएगी। फैसला आपका है। क्या आप वास्तव में पाप के दोष से मुक्त होकर एक सच्चे ईसाई बनना चाहते हैं? क्या आप मृत्यु से बचना चाहते हैं और अनन्त जीवन में प्रवेश करना चाहते हैं?

जो लोग परमेश्वर के संदेश को स्वीकार करते हैं, उन्हें परमेश्वर ने क्राइस्ट बॉडी, उनके चर्च में जोड़ा है।

दुनिया के लिए भगवान का निमंत्रण

मत्ती 11:28-30 "हे सब परिश्रम करने वालों और बोझ से दबे लोगों, मेरे पास आओ, और मैं तुम्हें विश्राम दूंगा। मेरा जूआ अपने ऊपर ले लो और मुझ से सीखो, क्योंकि मैं नम्र और मन में दीन हूँ, और तुम अपने प्राणों को विश्राम पाओगे। क्योंकि मेरा जूआ सहज और मेरा बोझ हलका है।"

1 कुरिन्थियों 2:9-11 "परन्तु जैसा लिखा है, कि आंख ने नहीं देखा, और कानों ने नहीं सुना, और न ही मनुष्य के हृदय में प्रवेश किया है जो परमेश्वर ने अपने प्रेम रखने वालों के लिए तैयार किया है। परन्तु परमेश्वर ने उन्हें अपनी आत्मा के द्वारा हम पर प्रगट किया है। क्योंकि आत्मा सब वस्तुओं को, वरन परमेश्वर की गूढ़ बातों को भी खोजता है। मनुष्य की आत्मा को छोड़, जो उस में है, मनुष्य क्या जानता है? तौभी परमेश्वर की बातें परमेश्वर के आत्मा के सिवा और कोई नहीं जानता।"

मत्ती 28:18-20 "और यीशु ने आकर उनसे कहा, 'स्वर्ग और पृथ्वी पर सारा अधिकार मुझे दिया गया है। इसलिए जाकर सब जातियों को चेला बनाओ, और उन्हें पिता और पुत्र और पवित्र आत्मा के नाम से बपतिस्मा दो, और उन्हें सब बातें जो मैं ने तुम्हें आज्ञा दी हैं, मानना सिखाओ; और देखो, मैं युग के अन्त तक सदा तुम्हारे साथ हूँ।' तथास्तु।"

मरकुस 1:14-15 यीशु गलील आए, सुसमाचार का प्रचार करते हुए परमेश्वर के राज्य का, और कह रहा है, "समय पूरा हुआ, और परमेश्वर का राज्य निकट है। मन फिराओ, और सुसमाचार में विश्वास करो।"

मत्ती 6:33-34 "परन्तु पहिले परमेश्वर के राज्य और उसके धर्म की खोज करो, तो ये सब वस्तुएं तुम्हें मिल जाएंगी। इसलिए कल की चिंता मत करो, क्योंकि आने वाला कल अपनी ही बातों की चिंता करेगा। दिन के लिए पर्याप्त अपनी परेशानी है।"

रोमियों 6:16-19 "क्या तुम नहीं जानते, कि जिस की आज्ञा मानने के लिये तुम अपने आप को दास ठहराते हो, उसी के दास हो, जिस की आज्ञा मानते हो, चाहे पाप के कारण मृत्यु का, वा आज्ञा मानने का जो धर्म का कारण हो? परन्तु परमेश्वर का धन्यवाद हो, कि यद्यपि तुम पाप के दास थे, तौभी तुम ने मन से उस सिद्धांत का पालन किया, जिस के लिये तुम को छोड़ा गया था। और पाप से छूटकर तुम धर्म के दास हो गए। मैं आपके शरीर की कमजोरी के कारण मानवीय शब्दों में बोलता हूँ।

"क्योंकि जैसे तू ने अपने अंगोंको अशुद्धता और अधर्म के दास करके और अधर्म का कारण ठहराया, वैसे ही अब अपने अंगोंको पवित्रता के लिथे धार्मिकता के दास करके रख।"

प्रेरितों के काम 4:10-12 "तुम सब को, और इस्त्राएलियों के सब लोगों को यह मालूम हो, कि नासरत के यीशु मसीह के नाम से, जिसे तुम ने क्रूस पर चढ़ाया, और जिसे परमेश्वर ने मरे हुएों में से जिलाया, यह मनुष्य यहां तुम्हारे सब के साम्हने खड़ा है। यह वह पत्थर है, जिसे तुम बनानेवालों ने ठुकरा दिया था, और कोने का मुख्य पत्थर बन गया है। और न किसी दूसरे के द्वारा उद्धार है, क्योंकि स्वर्ग के नीचे मनुष्यों में और कोई दूसरा नाम नहीं दिया गया, जिसके द्वारा हम उद्धार पा सकें।"

सुनना

- लगन से अध्ययन करें और पढ़ें कि मसीह ने उनके लिए क्या सिखाया, वे जीवन के वचन हैं।

समझना

- परमेश्वर के धर्मी मार्गों और आज्ञाओं की अवज्ञा करके सभी मनुष्य पापी हैं
- सभी ने पाप किया है और परमेश्वर की आज्ञा के अनुसार नहीं जी रहे हैं
- एक के पाप का परिणाम उनकी अनन्त मृत्यु में होगा
- परमेश्वर के साथ अनन्त जीवन पाने के लिए क्षमा की जानी चाहिए
- उनके सभी पापों से क्षमा पाने का एकमात्र तरीका मसीह है

विश्वास करना

- यीशु भगवान था और है
- वह गनासरत के यीशु के रूप में मानव शरीर में पृथ्वी पर आओ
- वह पुरुषों के बीच रहता था
- उसने स्वेच्छा से अपने पापरहित भौतिक जीवन को मेरे पापों के लिए पूर्ण बलिदान के रूप में दे दिया, क्रूस पर चढ़ाया गया
- वह दफनाया गया
- परमेश्वर ने उसे तीसरे दिन कब्र में से जिलाया
- वह उनके पुनरुत्थान के बाद सैकड़ों लोगों को दिखाई दिया
- वह पिता के साथ रहने के लिए स्वर्ग में वापस चढ़ गया

मन फिराओ

- पाप और अवज्ञा से विश्वास और आज्ञाकारिता में परिवर्तन

अपराध स्वीकार करना

- सार्वजनिक रूप से अपने विश्वास को स्वीकार करें कि यीशु परमेश्वर का पुत्र है।

पाना

- आपके पापों को क्षमा करने के लिए ईश्वर से प्रार्थना करें

मरना

- अपने पुराने, पापी, सांसारिक जीवन को मार डालो

दफन रहें

- बरी यूहमारे पापमय जीवन को आप ने बपतिस्मा की कब्र में मौत के घाट उतार दिया मृत्यु, दफन और पुनरुत्थान में जल विसर्जन मसीह, ईश्वर को आपको एक नई सृष्टि के रूप में कब्र से उठाने की अनुमति देता है, पाप से शुद्ध।

प्राप्त करना

- जमा राशि के रूप में पवित्र आत्मा आने वाले समय की गारंटी देता है

बनना

- एक नए ईसाई के रूप में भगवान ने आपको अपने दत्तक बच्चे के रूप में जोड़ा अन्य बच्चों को चर्च क्राइस्ट में स्थापित किया गया।

रहना

- मसीह और प्रेरितों की शिक्षाओं के प्रति दृढ़ता और आज्ञाकारी रूप से जीना जारी रखें "मैं आपसे आग्रह करता हूँ कि आप उस बुलावे के योग्य जीवन जिसे जो आपको मिला है। पूरी तरह से विनम्र और कोमल बनो; सब्र रखो, प्रेम से एक दूसरे की सह लो। मेल के बन्धन के द्वारा आत्मा की एकता को बनाए रखने का भरसक प्रयत्न करो" (इफिसियों 4:1-3)।

प्रश्न

1. परमेश्वर चाहता है कि सारी मानवजाति नाश न हो बल्कि उसके पास आए।
टी. ___ एफ. ___
2. मनुष्य उसका दास है जिसका वह अनुसरण करता है - या तो परमेश्वर, पिता, या शैतान, बुराई का पिता।
टी. ___ एफ. ___

3. उद्धार केवल मसीह में पाया जाता है
टी. ___ एफ. ___
4. अनन्त जीवन प्राप्त करने के लिए परमेश्वर मनुष्य से केवल यही अपेक्षा करता है कि वह यह विश्वास करे कि परमेश्वर का अस्तित्व है।
टी. ___ एफ. ___
5. मोक्ष पाने का सबसे अच्छा समय कब है
 - a. ___ अपने लक्ष्यों को प्राप्त करने और घर बसाने के बाद
 - b. ___ जब वह अब पाप करने के लिए ललचाता नहीं है
 - c. ___ आज

कार्रवाई करें - "सही समय" अभी है। आज मोक्ष का दिन है। (2 कुरिन्थियों 6:2)

कल की कोई गारंटी नहीं है

त्रासदी यह है कि किसी को स्वर्ग नहीं खोना है और नर्क प्राप्त करना है। चुनाव हमारा है। हम अपने शाश्वत भाग्य को स्वयं निर्धारित करने के लिए स्वतंत्र हैं। स्वर्ग तैयार लोगों के लिए तैयार जगह है और नर्क तैयार लोगों के लिए तैयार जगह है।

2 कुरिन्थियों 6:2 "देखो, अब स्वीकृत समय है; देख, अब उद्धार का दिन है।"

यूहन्ना 15:10 "यदि तुम मेरी आज्ञाओं को मानोगे, तो मेरे प्रेम में बने रहोगे; जैसा मैं ने आपके पिता की आज्ञाओं को माना है, और उसके प्रेम में बना रहता हूँ।"

निष्कर्ष

उन "मसीह में" को उन प्रलोभनों से अवगत होना चाहिए जो शैतान द्वारा उनके सामने लगातार रखे जाते हैं पुराने नियम और नए नियम दोनों में परमेश्वर के बच्चों के परमेश्वर की अवज्ञा करने और दुनिया के तरीकों में वापस जाने के उदाहरण हैं।

जो "मसीह में" नहीं हैं, जो उसकी संतान होने की इच्छा रखते हैं, उन्हें गंभीरता से विचार करने की आवश्यकता है कि बाइबल ने दूसरों को क्या करने के लिए कहा है।

